

# हरिभूमि

# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार 21 सितंबर 2026

11

स्लम एरिया टैलेंट में शिक्षा, संस्कार व भविष्य...



12

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने किए 3 करोड़ के...



आज से लौटने लगेगा बारिश का मौसम राजस्थान से वापसी शुरू शुष्क हवाओं ने पकड़ी रफ्तार

■ अल-नीनो ने पूरे सीजन बिगाड़ी बारिश की चाल, 1 जून से अब तक सामान्य से 22 फीसदी कम बरसे बादल

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

हरियाणा एनसीआर-दिल्ली में मानसून अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों से मानसून की वापसी शुरू होने के साथ ही हरियाणा एनसीआर-दिल्ली में भी इसके विदा होने का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार क्षेत्र में

मानसून की वापसी के लिए मौसमी परिस्थितियां तेजी से अनुकूल हो रही हैं और 21 सितंबर के बाद हरियाणा एनसीआर-दिल्ली से मानसून विदा हो सकता है।

बता दें कि इस बार मानसून का पूरा सीजन सामान्य नहीं रहा। अल-नीनो परिस्थितियों का असर मानसून की गतिविधियों पर साफ दिखाई दिया। शुरूआत से लेकर अंतिम चरण तक बारिश का क्रम कई बार कमजोर पड़ा और मानसूनी गतिविधियों में उतार-चढ़ाव बना रहा। कहीं अच्छी बारिश हुई, तो कई क्षेत्रों में लंबे अंतराल तक मौसम

शुष्क रहा। हरियाणा में एक जून से 19 सितंबर तक 317.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश का आंकड़ा 409.7 मिलीमीटर है। यानी प्रदेश में अब तक सामान्य से 22 फीसदी कम बारिश हुई है। पलवल जिले को छोड़कर हरियाणा के शेष 21 जिलों में बारिश सामान्य से कम रही है। बारिश की इस कमी का असर खरीफ फसलों के साथ-साथ खेतों में नमी की स्थिति पर भी पड़ा है। मानसून के कमजोर रहने से कई चरणों में किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए भूमिगत जल पर निर्भर रहना पड़ा।

## तापमान में होगी बढ़ोतरी

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा में बारिश का असर धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। इस बदलाव से आसमान साफ होगा और नमी कम होगी। इसके बाद बारिश की गतिविधियां बंद हो सकती हैं। दिल्ली और उसके आस-पास के इलाके, हरियाणा और पंजाब में मानसून 20-21 सितंबर के बाद दिल्ली पर एक बार फिर से पश्चिमी गर्म हवाओं का आगमन शुरू हो गया है और सम्पूर्ण इलाके में दिन तथा रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

## पश्चिमी राजस्थान से विदाई, अब प्रदेश की बारी

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द मोहन ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 19 सितंबर को पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से वापसी कर ली है। मानसून की सामान्य वापसी की तारीख 17 सितंबर है, इसलिए इस बार इसकी वापसी थोड़ी देरी से शुरू हुई है। राजस्थान के ऊपर प्रतिक्रमवातीय परिसंचरण बनने लगा है। इसके प्रभाव से हरियाणा एनसीआर-दिल्ली में पश्चिमी और शुष्क हवाओं का प्रभाव बढ़ने लगा है। यही हवाएं धीरे-धीरे वातावरण से नमी सोखेंगी। इसके चलते आसमान साफ होने, उमस कम होने तथा दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है। बारिश की गतिविधियां कमजोर पड़ने के साथ क्षेत्र में मानसून की विदाई की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। वर्तमान मौसमी परिस्थितियों को देखते हुए हरियाणा एनसीआर-दिल्ली में मानसून अब अंतिम चरण में है और जल्द ही क्षेत्र से रूखस्त हो सकता है।

**मानसून की विदाई के तीन बड़े संकेत**  
**पहल** : लगातार पांच दिन बारिश का न होना। संबंधित क्षेत्र में लगातार पांच दिनों तक वर्षा गतिविधियां बंद रहना जरूरी है।  
**दूसरा** : निचले क्षेपमंडल में प्रतिक्रमवात का बनना। इससे हवाओं की दिशा और वायुदाब में बदलाव का संकेत मिलता है।  
**तीसरा** : वायुमंडल में नमी का तेजी से कम होना। उपग्रह से प्राप्त जलवाष्प चित्रों और वायुमंडलीय आंकड़ों में नमी की मात्रा में उल्लेखनीय कमी दर्ज होना मानसून की वापसी की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है।

| एक नजर में मानसून                                         |
|-----------------------------------------------------------|
| ■ हरियाणा में एक जून से 19 सितंबर तक बारिश 317.5 एमएम     |
| ■ इस अवधि की सामान्य बारिश 409.7 एमएम                     |
| ■ सामान्य से 22 फीसदी कम बारिश                            |
| ■ पलवल को छोड़कर सभी 21 जिलों में सामान्य से कम बारिश     |
| ■ पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी शुरू 19 सितंबर      |
| ■ हरियाणा एनसीआर-दिल्ली से विदाई के आसार 21 सितंबर के बाद |

## खबर संक्षेप

### स्वास्थ्य मंत्री आज महेन्द्रगढ़ व कनीना में

नारनौल। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव 21 सितंबर को महेन्द्रगढ़ व कनीना क्षेत्र के दौरे पर रहेंगी। स्वास्थ्य मंत्री सुबह नौ बजे राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल कनीना में भाषण व पेंटिंग स्पर्धों में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगी। इसके बाद 9:30 बजे गांव मोहनपुर बस स्टैंड के नजदीक व 10:30 बजे राजकीय माध्यमिक स्कूल कोका में जनसभा को संबोधित करेंगी। 11:30 बजे यादव धर्मशाला महेन्द्रगढ़ में एक समाज सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगी।

### मुंगारका गांव में कुश्ती दंगल कल

नांगल चौधरी। भादौड़ा जोहड़ स्थित ठाकुर जी राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में 22 सितंबर को कुश्ती दंगल व मेले का आयोजन किया जाएगा। दंगल में दूर-दराज से आने वाले पहलवानों के बीच विभिन्न भार वर्गों में कुश्तियां कराई जाएंगी। महंत सचिदानंद ने बताया कि कुश्ती प्रतियोगिता में 51 रुपये से लेकर 21 हजार रुपये तक के नकद इनाम दिए जाएंगे।

### रविवार को बसें नहीं चलने से ग्रामीण परेशान

महेन्द्रगढ़। रविवार को हरियाणा रोडवेज की बसों का संचालन प्रभावित रहने से ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। महेन्द्रगढ़ से वाया बवानियां रूट पर रेवाड़ी व नारनौल डिपो की करीब एक दर्जन बसें चलती हैं, जबकि मिनी बसें भी रविवार को बंद रहें। सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने बताया कि सोमवार को ग्राम पंचायतों व सामाजिक संघटनाओं के प्रतिनिधि जिला उपायुक्त और रोडवेज महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर ग्रामीण रूटों पर रविवार को भी नियमित बस सेवा शुरू करने की मांग करेंगे।

## यूपी के मजदूर की सोते समय मौत

हरिभूमि न्यूज ►► नांगल चौधरी

भुंगारका गांव में बाजरे की कटाई के लिए आए उत्तर प्रदेश निवासी एक मजदूर की खेत में सोते समय संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत की पहचान लखीमपुर खीरी जिले के मेवालाल पुत्र छाजूराम के रूप में हुई है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी, साथ ही मामले की छानबीन तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार मेवालाल तीन सितंबर को जिले में मजदूरी करने पहुंचा था। वह गांव भुंगारका निवासी किसान राजेंद्र के खेत में बाजरे की कटाई के काम में लगा हुआ था। शनिवार को दिनभर खेत में काम करने के बाद रात को उसने अपने साथियों के साथ खेत में बने ट्यूबवेल पर खाना खाया। खाना खाने के बाद सभी मजदूर वहीं सो गए। रविवार सुबह जब उसके साथियों ने उठकर काम पर जाने की तैयारी की और मेवालाल को जगाने का प्रयास किया, तो उसकी ओर से

## नागरिक अस्पताल के 200 बेड के भवन का शेष निर्माण नई एजेंसी करेगी

राजकुमार ►► नारनौल

वर्षों से अधूरी पड़ी नागरिक अस्पताल की सात मंजिला इमारत के निर्माण का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। 200 बेड के प्रस्तावित अस्पताल भवन का रुका हुआ निर्माण कार्य दोबारा शुरू होगा। पुराने ठेकेदार का टेंडर रद्द होने के बाद शेष निर्माण कार्य के लिए नई एजेंसी को करीब 26.29 करोड़ रुपये में टेंडर दिया गया है।

पीडब्ल्यूडी ने निर्माण कार्य दोबारा शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है और अक्टूबर मध्य तक मौके पर काम शुरू होने की उम्मीद है। सात मंजिला भवन में बेसमेंट के साथ लिफ्ट और रैप की सुविधा भी होगी। परियोजना पूरी होने के बाद नारनौल ही नहीं, बल्कि पूरे जिले के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

दरअसल, जिले के लोगों को 200 बेड के आधुनिक अस्पताल की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा 13 नवंबर 2017 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की थी। इसके बाद 18 अप्रैल 2021 को तत्कालीन विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने अस्पताल परिसर में 200 बेड के सात मंजिला भवन और बेसमेंट के निर्माण का शुभारंभ किया था। निर्माण का ठेका जीर्ण एवं एंड गर्ग कंपनी को दिया गया था।

## बेसमेंट में पानी भरने से उठे सवाल

निर्माण कार्य लंबे समय तक बंद रहने के दौरान भवन के बेसमेंट में बारिश एवं सीवर का पानी भरा रहा। करीब दो वर्ष तक बेसमेंट में पानी जमा रहने से भवन की मजबूती को लेकर भी सवाल उठते रहे। हालांकि यह समस्या अब भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। स्थानीय स्तर पर पुराने पिलरों और निर्माण सामग्री की स्थिति को लेकर आशंकाएं सामने आईं, हालांकि विभाग इन आशंकाओं को लेकर तकनीकी स्तर पर आवश्यक जांच और प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ने की बात कह रहा है।



नारनौल। नागरिक अस्पताल में खड़ा अधूरा भवन।

## बेसमेंट और दो मंजिल तक काम, फिर विवाद में फंसा निर्माण

निर्माण एजेंसी ने काम शुरू करने के बाद बेसमेंट और करीब दो मंजिल तक ही निर्माण किया। विभाग के अनुसार करीब 24 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया था। इसके बाद विभिन्न कारणों से निर्माण कार्य रुक गया। निर्माण एजेंसी और विभाग के बीच विवाद भी सामने आया और मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया। हाईकोर्ट की प्रक्रिया के बाद मामला आर्बिट्रेशन में चला गया, जहां इसका निर्णय लंबित बताया जा रहा है। लंबे समय तक निर्माण कार्य बंद रहने के बाद पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग की ओर से परियोजना को आगे बढ़ाने के प्रयास किए गए। जब पुरानी एजेंसी के साथ मामला आगे नहीं बढ़ सका तो सरकार ने उसका टेंडर रद्द कर दिया। इसके बाद शेष निर्माण कार्य के लिए नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई। पीडब्ल्यूडी के एसडीओ जितेंद्र शर्मा के अनुसार पुराना टेंडर रद्द होने के बाद परियोजना का शेष कार्य 20 करोड़ रुपये से अधिक का होने के कारण मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली हाई परचेज पावर कमेटी से अनुमति ली गई। अनुमति मिलने के बाद नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई।

## फायर सेफ्टी सिस्टम का होगा इंतजाम

नए भवन में फायर सेफ्टी इंतजाम भी निर्माण के साथ ही पूरे करने की आवश्यकता होगी, क्योंकि पिछले दिनों में जयपुर एवं यूपी के अस्पतालों में आगजनी होने पर अनेक मरीजों को जान गंवानी पड़ी थी। कई अस्पताल से फूट कर मर गए थे। पिछले दिनों नारनौल में बनाए गए ट्रामा सेंटर में फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं लगाया गया था, जिस कारण बाद में तौड़फोड़ करनी पड़ी। समय तय होने के बावजूद भी तब सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री ने ट्रामा का उद्घाटन करने से इंकार कर दिया था।

## 5 करोड़ किए ट्रांसफर

स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पताल प्रशासन को इस भवन निर्माण के लिए करीब पांच करोड़ रुपये प्राप्त हुई थी, जो हमने पीडब्ल्यूडी को स्थानांतरित कर दी है। भवन का निर्माण दोबारा शुरू होने से अस्पताल की सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद जगी है।

-डॉ. विजय डबास  
उप चिकित्सा अधीक्षक

## अक्टूबर मध्य तक शुरू होगा

गौरी बिल्ड कंपनी को कार्य आवंटित किया गया है। शेष निर्माण कार्य के लिए करीब 26.29 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। निर्माण अवधि दो वर्ष रखी गई है। भवन का निर्माण कार्य अक्टूबर मध्य तक दोबारा शुरू करने का लक्ष्य है। सात मंजिला भवन में लिफ्ट और रैप का भी प्रावधान रहेगा।

-अश्विनी कुमार, कार्यकारी अभियंता  
पीडब्ल्यूडी, नारनौल

## मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल आज खुलेगा

## 21 से 27 सितंबर तक करवाएं पंजीकरण

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव एडवोकेट ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों को राहत देते हुए खरीफ फसल के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल को दोबारा खोलने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि जो किसान किसी कारणवश पहले पोर्टल पर अपनी खरीफ फसल का पंजीकरण नहीं करवा पाए थे, वे 21 से 27 सितंबर तक दोबारा पंजीकरण करवा सकते हैं।

राव ने कहा कि किसानों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में अपनी फसल का पंजीकरण अवश्य करवाना चाहिए, ताकि उन्हें फसल बिक्री

सहित सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी न हो। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के परिणामों पर कहा कि एबीवीपी ने अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव के तीन प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की है, जबकि उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे। अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के यश डबास ने जीत दर्ज की। डॉ. यतेंद्र राव ने कहा कि इन चुनाव परिणामों से छात्र राजनीति में एबीवीपी की स्थिति और युवाओं के मुद्दों को लेकर उसकी सक्रियता सामने आई है। उन्होंने कहा कि युवा जागरूक और समझदार हैं तथा वे अपने मुद्दों और विचारों के आधार पर निर्णय लेते हैं।

## 29 को सतनाली अनाज मंडी में होगी पूर्व सीएम हुड़ा की रैली

## 28 को जमवाई माता मंदिर प्रांगण में होगी बैठक

हरिभूमि न्यूज ►► महेन्द्रगढ़

जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने तथा जनसमस्याओं को

आवाज उठाने के उद्देश्य से आगामी 29 सितंबर को सतनाली की अनाज मंडी में एक विशाल जनसभा कार्यक्रम होगा। इस भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि अध्यक्षता पूर्व संसदीय सचिव व वरिष्ठ कांग्रेस नेता राव दान सिंह करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने तथा इसकी रूपरेखा तय करने के लिए 28 सितंबर को सतनाली स्थित जमवाई

■ सतनाली क्षेत्र के समग्र विकास और संगठन की मजबूती के लिए मील का पत्थर साबित होगा कार्यक्रम

माता मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में पूर्व संसदीय सचिव राव दान सिंह स्वयं उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। राव दान सिंह के प्रेस सचिव राजेश गुप्ता ने जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि सतनाली क्षेत्र के समग्र विकास और संगठन की मजबूती के लिए यह आयोजन मील का

पत्थर साबित होगा। उन्होंने सतनाली ब्लॉक के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं से 28 सितंबर को जमवाई माता मंदिर प्रांगण में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है।

## गांवों में चलेगा जनजागरण अभियान जाट सभा की बैठक में सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों पर मंथन

## जाट समाज ने मृत्युभोज, टीका व महिला संगीत कार्यक्रमों में बर्तनों के लेन-देन पर लगाई पाबंदी

## खात्मे के लिए बूढ़वाल गांव में 26 सितंबर को होगी जागरूकता मिशन की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ►► नांगल चौधरी

समाज की मजबूती केवल परंपराओं को निभाने में नहीं, बल्कि समय के साथ अनावश्यक और खर्चीली रिवाजों में बदलाव लाने की सोच में है। इसी सोच के साथ जाट सभा के प्रधान कुलदीप जेलदार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ तीन बड़े फैसले लिए गए। जिनकी पालना के लिए 26 सितंबर से जागरूकता अभियान आरंभ करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि बैठक में सर्वप्रथम दिवंगत चौ. मालाराम को श्रद्धांजलि अर्पित की, इसके बाद सामाजिक कुरीतियों पर मंथन आरंभ किया। विचार-विश्लेष के बाद समाज ने मृत्यु भोज पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया। स्वाग्णी अथवा किसी अन्य माध्यम से भी मृत्यु भोज को मान्यता नहीं दी जाएगी। इसके अलावा विवाह एवं अन्य शुभ अवसरों



नांगल चौधरी। समाज की बैठक में बार एसोसिएशन के प्रधान विजयपाल का अभिनंदन करते प्रबुद्धजन।

पर गांव की लड़कियों की ओर से बांटे जाने वाले बर्तनों के लेन-देन पर पाबंदी लगाने का फैसला हुआ।

मृत्यु के बाद रिश्तेदारों को टीके के रूप में दी जाने वाली राशि पर भी पूर्ण रोक रहेगी। इतना ही नहीं इन फैसलों को धरातल पर लागू कराने के लिए गांव-गांव जनजागरण

अभियान चलाने की रूपरेखा बनाई गई। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 26 सितंबर सुबह 10 बजे बूढ़वाल से अभियान की शुरुआत होगी। इसके बाद बनिहाड़ी में दोपहर 12 बजे, कालबा में दो बजे और नोलायगा में शाम चार बजे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभा के फैसलों

## बार एसोसिएशन के प्रधान विजयपाल का अभिनंदन

जाट समाज के आम बैठक में जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान विजयपाल एडवोकेट को विशेष रूप से आमंत्रित किया। समाज के स्तर पर उनका अभिनंदन किया गया, इसके बाद उन्हें पंडित वर्ग के लिए कोर्ट की व्याक्ति प्रक्रिया में मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विजयपाल ने बतौर अधिवक्ता मानवता और सच्चाई को प्राथमिकता दी है।

का उद्देश्य सामाजिक एकजुटता के साथ अनावश्यक आर्थिक बोझ को कम करना और आने वाली पीढ़ी को सरल एवं सकारात्मक सामाजिक परंपराओं की विरासत देना है। बैठक में सत्यपाल दहिा, हजारीलाल लंबोरा, रामनिवास सरपंच, बिरेन्द्र सिंह, सतवीर बडेसरा, सूबेदार जगाराम, एडवोकेट प्रमोद ताखर, पूर्व प्रधान जोगेंद्र छिल्लर, बलबीर पूर्व प्रधान, सुधीर चौधरी, भूपसिंह, जसवंत शेरधरवत सिरौही बहाली, दिलीप मोहनपुर आदि प्रबुद्धजनों ने विचार रखे।



कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज पूरे पांच दिन बाद सीता अपने कमरे से बाहर निकलने का साहस जुटा पाई। अनमने मन से बरामदे में खड़ी होकर पूरे परिसर पर नजर डालते हुए उसके मन में कोई भाव नहीं था। होता भी कैसे जब जिंदगी में वह हो जाए, जिसकी कल्पना भी न की हो तो बुढ़ापे में सुख-दुःख का एहसास होने को बचता ही क्या है। फिर भी सोच-विचार तो मन का विषय है। तन शिथिल भी रहे तो मन कहाँ रुकता है। शायद तभी तो यक्ष के प्रश्न का उत्तर देते हुए धर्मराज युधिष्ठिर ने सबसे तीव्र गति मन की बताई थी। पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी। वहां लगे पेड़-पौधों को देखकर उसे कुछ-कुछ अपने प्राइमरी स्कूल जैसा अनुभव हुआ। आज से लगभग सत्तर वर्ष पूर्व जब लड़कियों की पढ़ाई की ओर कोई ध्यान ही नहीं देता था, सीता के पिता ने उसे शिक्षित करने की पहल की थी।

‘पिता’ यादों की गहराई में उतरते ही उसकी आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बह चली। बचपन में उसके चंचल स्वभाव व घर-घेर में इधर-उधर दौड़ते रहने की आदत से उसे चिड़िया कहकर बुलाते थे। पिता की देखा-देखी दोनों भाई भी उसे ‘चौंची’ चिड़िया उड़के दिखाओ, थोड़े से तो पंख उगाओ’ कहकर छेड़ते। वह उन्हें मारने दौड़ती -‘आने दो पिताजी को तुम दोनों की शिकायत करूँगी। फिर जब तुमसे सारा दिन खेत में काम करवाया जायेगा तो तुम्हें पता लगेगा।’ और वे दोनों कान पकड़कर क्षमा मांगने की स्थिति में दयनीय मुंह बनाकर सटक जाते। पिता उसे चिड़िया कहते तो उसे अक्सर स्वप्न आता कि वह जैसे चिड़िया की भाँति आसमान में ऊँची उठकर उड़ी जा रही है, लम्बी-लम्बी उड़ाने भरती हुई कहीं घबराती, कहीं आर्नान्दत होती मनचाही जगह जाकर उतरती। जगने पर वह उस सुंदर स्वप्न को याद कर दिन भर अभिभूत हुई रहती। पिता ने उसे प्राथमिक स्कूल की अध्यापिका बनाने के लिए दो वर्षीय अध्यापक प्रशिक्षण में दाखिल के साथ ही जोर-शोर से लड़का देखना शुरू कर दिया।

रामरत्न का साथ पाकर सीता के जीवन में अनन्त खुशियों के साथ दो अनमोल रत्न आये। पति-पत्नी दोनों अध्यापक। बच्चे संभालने के लिए घर में सास थी ही। उस संयुक्त परिवार में सीता अपने हिस्से का थोड़ा-बहुत काम कर पढ़ने में लगी रहती। प्राइवेट स्नातक और फिर बी एड कर वह उच्च विद्यालय की शिक्षिका की पात्रता पा गई। बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए गाय रख ली। सीता अपने आपको दुनिया की सबसे सौभाग्यशाली स्त्री मानती हुई अपने भाग्य पर इतराती रहती। शिक्षित बेटे, शिक्षित

# चिड़िया उड़ गई

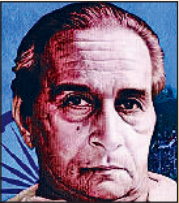
पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी।



बहुएं। घर में छह प्राणी सभी बढ़िया सरकारी नौकरी में। ऐसे परिवार गांव के सम्मानित, संप्र्रांत परिवार माने जाते हैं। संयोग देखिये दोनों बहुओं ने कुछ माह के अंतराल पर ही बेटियों को जन्म दिया। दो पोतियों की दादी बना सतीता के लिए उतना उल्लासपूर्ण नहीं था, जितना दो पोतों की दादी बनाता होता। फिर भी समय के साथ दोनों दादी के दिल का टुकड़ा बन गई।

समय अपनी गति से चलता रहा। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। दिशा-निशा दोनों कॉलेज से आकर अपनी माताओं से पहले दादी के पास आकर बैठती, उनसे दिनभर की बातें साझा करती। उनके छोटे भाई दिनेश-सर्वेश माताओं के लाड़ले हैं। भले ही सीता को उनके जन्म पर पोतों की इच्छा थी परन्तु जो स्नेह उसे दिशा-निशा से हुआ वैसा दिनेश-सर्वेश से न हो सका। खुशी भरे इन सालों में वह चिड़िया के पंख लगाकर ही तो उड़ी और अब दुःख शिकारी के जाल में आ फंसी। हष्ट-पुष्ट रामरत्न को एक दिन बुखार हुआ तो उतरने का नाम ही न लिया। तीन सप्ताह के इस डॉक्टर से उस डॉक्टर तक दौड़ते रहने पर भी वह सीता को बेटों के भरोसे छोड़कर अनन्त यात्रा पर निकल गया। सीता के लिए ये तीन हफ्ते जीवन के पैसठ सालों पर भारी थे। यूं तो सीता पहले भी अंतर्मुखी थी, परन्तु रामरत्न के जाने के बाद तो वह अवसाद में ही चली गयी। ‘माँ खाना खा लो’ सुबह बड़ी बहू कहती। ‘रख दो कामना’ ‘माँ लीजिये खाना’ शाम को छोटी बहू कहती। ‘रख दो भावना’ और ‘खाना कब तक रखा रहता, कब

अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाजिमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं।



अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। होंठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में।

से आकर गाय का गोबर उठाती थी, खेत से चारा लाती थी, सानी करती थी ताकि उसके बेटे गाय के दूध का सेवन कर तेजस्वी बनें। अगले छह वर्ष में बेटे बारी-बारी हर पन्द्रह दिन में एक बार आते। वही औपचारिक मिलन, घर-रसोई का सामान ले आना, आवश्यक बैंक कार्य और विदा। जो घर उसका था, सिर्फ उसका, अब उसके अधिकांश भाग पर किरायेदारों का कब्जा था। अवसाद में डूबी सीता अब कभी-कभी बहुत अधिक बोलने लगती। घर की घुटन से बाहर निकल अड़ोस-पड़ोस में मुखर होती, किरायेदारों से उलझ पड़ती। लोगों को लगता कि उसका दिमाग चल गया है। बेटों के कानों तक बात पहुंचने लगी। उसे समझाया गया परन्तु समझाया तो नासमझ को जाता है। वह तो सब जानती थी, सबको जानती थी। रामरत्न के जाने के बाद उसने इन्हें ही तो पहचाना था।

अंततः अब यह सेवा आश्रम ही उसका अंतिम ठिकाना था। यहां उसे लाया गया था बिना कुछ पूछे, बिना कुछ बताये। ‘काश! पिताजी मैं तेरे आंगन की ही चिड़िया रहती’ बुदबुदाती हुई सीता ने आंसुओं से तर चेहरा चुनरी से पोछा। दोपहर हो गई थी। सूर्यदेव शिखर से प्रचंड आग बरसा रहे थे। वह उठकर कमरे की ओर जाने लगी तो शहतूत के पेड़ के नीचे पड़े पत्थर पर कुछ चिड़िया दाना चुगते दिखी। वह उन्हें दूर से ही निहारी रही, कहीं पास जाने से ये उड़ न जायें। तभी उसे अपने निकट आते कदमों की आहट सुनाई दी।

‘दादी’ दिशा-निशा दोनों ने एक साथ कहा।

अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। होंठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में। ‘दादी, कौसी हैं आप’ दिशा-निशा ने उससे लिपटते हुए कहा। ‘अब अच्छी हूँ’ वह फफक पड़ी। दिशा-निशा ने उसे मुश्किल से चुप कराया। फिर वे दादी को लेकर उनके कमरे में आ गयीं। ‘वाव दादी, कमरा तो अच्छा है।’ दिशा ने कहा। ‘पापा कह रहे थे थोड़ा महंगा जरूर है पर कोई कमी या असुविधा नहीं होगी आपको।’ निशा बोली।

वह समझ गयी पोतियां महज औपचारिकता निभाने आयी हैं। कितनी देर क्या बातें हुईं अपने में ही गुम सीता सुन नहीं पायी। आधे घण्टे बाद वह उन्हें विदा कर कमरे में पड़ी कुर्सी पर बैठी तो सामने पत्थर पर दानें चुग रही चिड़ियां एकाएक फुर्र से उड़ गईं। उन्हें उड़ते देख सीता ने दिशा-निशा की दूर जा रही छायाओं को देखा। उसे एक हिचकी आयी और उसकी गर्दन कुर्सी पर एक ओर लुढ़क रही थी। उसी परिसर के किसी कमरे में गीत बज रहा था ‘चल उड़ जा रे पंछी के अब ये देश हुआ बेगाना।’

# हुड़दंग से आंसू बहाता लोकतंत्र

| कवि कॉर्नर                             |
|----------------------------------------|
| <p><b>कविता</b> <b>विनोद कुमार</b></p> |



## हिन्दी की मंदी

राजभाषा की कुंडली में गह-नक्षत्र की चाल है, हिंदी की लंबी मंदी में आया सितंबरी उछाल है।

देवनागरी की घोड़ी पर रोमन लिपि सवार है, मातृभाषा से अधिक हो रहा आंग्ल भाषा का सत्कार है।

हिंदी पखवाड़े में देखो कार्यशाला और सेमिनार है, सरकारी दफ्तरों में धूम मची, साहित्यिक गोष्ठियों में चित्कार है।

कहीं निबंध, कहीं भाषण है, कहीं पुरस्कारों की बहार है, सितंबर में हर तरफ चल रही हिंदी सेवा की बहार है।

चिंता है, चिंतन है, हिंदी पर खूब मंथन है, पखवाड़े में हिंदी-हिंदी, बाकी दिनों में अंग्रेजी की बहार है।

कॉलेज से लेकर कोर्ट तलक जब अंग्रेजी का मायाजाल है, हिंदी को अपनाईं कैसे? यही सबसे बड़ा सवाल है।

| दोहे | नरेन्द्र कुमार |
|------|----------------|
|------|----------------|



## जैसे को तैसा

प्रकृति के साथ तुमने, जो जुलूम किया था ।
जीते की जानवरों का , जो खून पीया था ॥

जंगल झाड़ू को तुमने , जो नाश किया था ।
इस आसमान को तुमने , जो धुआं दिया था ॥

ये सब उसी का परिणाम, तुम मर रहे हो ।
आपनी करनी अपने आप , अब भुगत रहे हो ॥

खिन जुर्म के कैदी सा , जीवन जी रहे हो ।
अपने घर में डर-डर के, जहर पी रहे हो ॥

छोटे से कण ने क्या ? कोहराम मचाया ।
वो एटम बम भी किसी के , ना काम आया ॥

जोड़ -जोड़ धर राख्या , वो भी ना खयाा ।
घर से बाहर निकलते ही , मौत का साथी ॥

हे भगवान ! ये तेरी , कैसी माया है ?
कई दिन में नरेन्द्र की , समझ में आया है ॥



व्यंग्य **आसिम अनमोल**

इन दिनों सच और झूठ का सबक बड़े ही कलात्मक ढंग से सिखाया जा रहा है। जेन जी के साथ संवाद करने की कला को वाई के आकार के बने रैंप पर चलकर युवाओं के दिलों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। देश की सियासत महंगाई और विकास के नाम पर भली ही टाटा, बाय-बाय कर ले। लेकिन लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता इतना चमकदार और मजबूत होना चाहिए। लोग बातों में ही खोए रहें, और बहकते रहें। हमारे देश में जो दिखता है वही बिकता है। इसी तर्ज पर भारतीय राजनीति में जितना शाब्दिक हुड़दंग होगा, उतना ही राजनीति करने वालों के प्रति लोग आकर्षित नजर आएंगे ।

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है।बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा

*इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा सकते हैं और न ही मीडिया की नज़र में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं।*

सकते हैं और न ही मीडिया की नज़र में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं। राजनीति में हुड़दंग बड़ी ही मुफीद चीज है साबित होती है। जब तक हुड़दंग नहीं होगा, तब तक हाई कमान के द्वारा तक कोई खास निर्णय नहीं लिए जाएंगे। इसलिए राजनीतिक हुड़दंग कभी भी आम ईंसान को मयससर नहीं होती । न ही उसको हाई कमान की तरफ से चुनाव लड़ने के

लायक समझा जाता है। जो हुड़दंग करके सैकड़ों-लाखों की भीड़ इकट्ठा करने में सक्षम होता है। उसको ही मैदान में धकेला जाता है। यह हुड़दंग का ही तो कमाल होता है कि हमारे माननीयों द्वारा सदन तक में एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने व मेज़ कुर्सी तोड़ने का प्रयास किया जाता है। वो तो गनीमत रहता है कि जिस्म के निचले हिस्से के वस्त्रों ने कभी कोई विरोध की आवाज नहीं उठाई। वर्ना

एक और अजूबा रिकार्ड राजनीति के इतिहास में दर्ज होकर रह जाता। हुड़दंग अपने आपमें कुशल राजनीति करने का अभिन्न अंग बन चुका है। हुड़दंग एक अदना से कार्यकर्ता को भी लाइम लाइट में लाकर विभिन्न चैनलों का बादशाह बना देता है। हुड़दंग ही कभी-कभी जनता को जागरूकता की ओर अग्रसर कर देता है। कभी-कभी सार्थक हुड़दंग से ही सत्ता परिवर्तन हो जाता है। हुड़दंग अगर न होता तो राजनीति की कोई पूछ ही नहीं होती।

राजनीति का प्लेटफार्म हाशिये पर लावारिश पड़ा होता। यह हुड़दंग की ही जर्रां नवाजी है। जिसने हाथ पैर उछाल-उछालकर, गुला फाड़ फाड़कर राजनीति को एक नामचीन चीज बना दिया । यह हुड़दंग की ही पावर है जो बड़े-बड़े प्रस्ताव को भी मंजूर कराने की हिम्मत रखता है। हुड़दंग ही एक ऐसा पासा है जो राजनीतिक जमीन पर जब पेंका जाता है तो लोकतंत्र भी बेचारा आंसू बहाता नजर आता है।

का नंबर आया तो उसने पूछा, “एक लिफाफे में डालने के बाद दूसरे लिफाफे में क्यों डालते हो? आजकल तुमनाबदार तो एक लिफाफा भी बड़ी मुश्किल से देते हैं।” लड़के ने मुस्कराकर लिफाफे की ओर इशारा किया, “साहब, शायद आपने लिफाफे के बाहर लिखा हुआ नहीं पढ़ा।” जोगिंदर ने लिफाफा देखा। उस पर लिखा था—

“मूंगफली खाने के बाद कृपया छिलके इसमें डालें। गांठ लगाकर पास के डस्टबिन में डाल दें।” जोगिंदर ने आश्चर्य से पूछा, “लेकिन अगर लोग तुम्हारी बात नहीं मानेंगे तो?” “समी नहीं मानेंगे, साहब,” लड़का सहजता से बोला, “लेकिन कुछ तो जरूर मानेंगे।” वह थोड़ी देर रुका और फिर बोला, “ लोग मूंगफली खाकर टून के डिब्बों में, बसों में, सड़क

# दो लिफाफे

सड़क किनारे दो-तीन मूंगफली वाले अपनी-अपनी रेहड़ी लगाए बैठे थे। एक रेहड़ी पर काफी भीड़ थी। जोगिंदर भी उसी ओर बढ़ गया। उन्होंने देखा, लगभग सोलह-सत्रह साल का लड़का तेजी से मूंगफली तौल-तौलकर लोगों को दे रहा था। मूंगफली एक लिफाफे में डालने के बाद वह उसे एक और लिफाफे में रखकर गाहक को देता था। जोगिंदर



डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

बाहर की सफाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। मैंने सोचा, अगर मैं अपनी ओर से छोटा-सा प्रयास करूँ तो शायद अपने राष्ट्र के स्वच्छता अभियान में थोड़ा-सा योगदान दे सकूँ।

जोगिंदर के पास कोई जवाब नहीं था। उसकी नजर फिर उस लड़के पर पड़ी। उसे लगा, हम पढ़े-लिखे लोगों से तो यह अनपढ़-सा लड़का कहीं आगे निकल गया- राष्ट्र की सेवा का अर्थ समझने में।

# हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 21 सितंबर 2026

10

पुस्तक समीक्षा

## कालजयी पुस्तक है ‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’



समीक्षक

मधुकांत

‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’ केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि हरियाणा की उस वैचारिक और बौद्धिक चेतना का जीवंत साक्ष्य है, जिसे अक्सर मुख्यधारा के साहित्यिक इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसकी वह हकदार थी। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के पावन और ऐतिहासिक अवसर पर इस ग्रंथ का प्रकाशन एक अत्यंत सामयिक और श्लाघनीय कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ के कुशल संपादन में तैयार यह ग्रंथ हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा प्रदेश के महत्वपूर्ण हिंदी रचनाकारों के अमूल्य अवदान को एक स्थान पर संकलित कर उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करना है। पुस्तक का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि इसका प्राथमिक लक्ष्य हरियाणा में रचित हिंदी साहित्य के अंतर्गत 75 प्रतिनिधि रचनाकारों के कर्तृत्व और



व्यक्तित्व को एक मंच पर लाना था। इस कसौटी पर यह ग्रंथ पूरी तरह खरा उतरता है। इस ग्रंथ की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुविधतामक होना है। यह किसी एक कालखंड या एक साहित्यिक विधा (जैसे केवल कविता या केवल कहानी) तक सीमित नहीं है। इसमें हिंदी साहित्य के लगभग सभी रूपों जैसे काव्य, गद्य-साहित्य, लोक-साहित्य, इतिहास-लेखन, पत्रकारिता और अनुवाद-कला के विविध आयामों को एक साथ समेटा गया है। पुस्तक में महाकवि सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के साथ हरियाणा के गहरे, ऐतिहासिक संबंधों पर जो प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है, वह पाठकों और शोधार्थियों के लिए साहित्यिक इतिहास के नए झरोखे खोलता है। संपादन की दृष्टि से डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ का अनुभव हर पृष्ठ पर झलकता है। पुस्तक की भाषा-शैली अत्यंत गंभीर, परिमार्जित और तत्समनिष्ठ होते हुए भी बोधगम्य है, जिससे आम पाठक और शोधार्थी दोनों ही बिना किसी उलझन के इसे पढ़ सकते हैं। अपनी प्रामाणिकता, विस्तृत अनुसंधान, विधागत विविधता और समावेशी दृष्टिकोण के कारण यह पुस्तक हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन में एक मील का पत्थर है। यह आने वाली पीढ़ियों, प्राध्यापकों और शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शिका का कार्य करेगी।

कुछ हटकर

## डिजिटल मार्केटिंग में बढ़ते करियर के अवसर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

क्या सीखें?

डिजिटल दौर में लगभग हर बिजनेस अपने ग्राहकों तक पहुंचने, बांड बनाने और बिक्री बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रदर्शन का इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में डिजिटल मार्केटिंग युवाओं के लिए एक उमरता हुआ करियर विकल्प बनकर सामने आया है। डिजिटल मार्केटिंग केवल सोशल मीडिया पर पोस्ट करने या ऑनलाइन विज्ञापन चलाने तक सीमित नहीं है। इसमें मार्केटिंग, टेक्नोलॉजी, क्रिएटिविटी, कम्प्युटेशन और डेटा एनालिसिस की समझ जरूरी होती है। एक अच्छे डिजिटल मार्केटिंग कोर्स के जरिए विद्यार्थी इन रिकरस की सीखकर अलग-अलग इंडस्ट्री में करियर बना सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग में आने के लिए किसी एक विशेष स्ट्रीम की बाधता नहीं है। बीबीए, बीसीए,

किसी भी डिजिटल मार्केटिंग कोर्स सिलेबस को चुनने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसमें थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी दी जा रही है या नहीं। आमतौर पर डिजिटल मार्केटिंग कोर्स कंटेंट में एआईओ, गुगल एड्स, मेटा एड्स, सोशल मीडिया मार्केटिंग, गुगल एनालिटिक्स जीए4, एआई टूल्स फॉर डिजिटल मार्केटिंग और परफॉमेंस मार्केटिंग शामिल होते हैं। इसके साथ कंटेंट मार्केटिंग और लीड जनरेशन की जानकारी भी उपयोगी है। विद्यार्थियों को केवल सर्टिफिकेट पर निर्भर रहने के बजाय लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटरशिप और पोर्टफोलियो पर भी ध्यान देना चाहिए।

बीकॉम, बीए, बीजेएमसी, एमबीए और अन्य विषयों से ग्रेजुएशन करने वाले विद्यार्थी इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।



### स्किल्स का संयोजन

- फ्रेशर्स के लिए ग्रेजुएशन + डिजिटल मार्केटिंग रिकर्स + प्रैक्टिकन नॉलेज + कम्प्युटेशन रिकर्स का संयोजन उपयोगी हो सकता है। यह रखे कि सर्टिफिकेट आपको एंट्री दिला सकता है, लेकिन आपको रिकर्स और रिजल्ट देने की क्षमता आपका करियर आगे बढ़ाती है।

### करियर विकल्प

डिजिटल मार्केटिंग की जरूरत आईटी, ई-कॉमर्स, एजुकेशन, बैंकिंग, हेल्थकेयर, रियल एस्टेट, होस्पिटैलिटी, ऑटोमोबाइल, रिटेल और स्टार्टअप सहित कई इंडस्ट्री में है।
■ एआईओ स्पेशलिस्ट – वेबसाइट की सर्व इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग बेहतर करना।

■ गुगल एड्स स्पेशलिस्ट – पेड एडवर्टाइजिंग कैंपेन और कन्वर्जन को मैनेज करना। डिजिटल मार्केटिंग में सफल करियर के लिए केवल कोर्स या सर्टिफिकेट पर्याप्त नहीं है। प्रैक्टिकल रिकर्स, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटरशिप, पोर्टफोलियो और लगातार सीखने की आदत आपको इंडस्ट्री के लिए अधिक जॉब-रेडी बना सकती है।

### सैलरी इन इंडिया

डिजिटल मार्केटिंग सैलरी इन इंडिया उम्मीदवार की रिकर्स, अनुभव, लोकेशन, कंपनी और स्पेशलाइजेशन पर निर्भर करती है। फ्रेशर्स आमतौर पर एंट्री-लेवल रोल से शुरुआत करते हैं, जबकि एआईओ, परफॉमेंस मार्केटिंग, गुगल एड्स, एनालिटिक्स और एआई टूल्स में सर्टिफिकेट रखने वाले प्रोफेशनल्स अनुभव के साथ बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य शिक्षित सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

गोशाला में मनाया  
तिवाड़ी का जन्मदिन

महेंद्रगढ़। गोवंश की सेवा ही सनातन धर्म की सच्ची प्रेरणा है। गऊ की सेवा करने से प्रभु का भी आशीर्वाद मिलता है। अपने पुत्र शिवांश तिवाड़ी के पाँचवें जन्मदिन के अवसर पर बेसहारा गोवंश उपचारशाला में गायों के लिए निमित्त स्वामणी लगाकर सादगी के साथ मनाते हुए यह संदेश हास्य कलाकार विकास तिवाड़ी ने दिया। इस मौके पर बेसहारा गोवंश उपचारशाला के संरक्षक सुरज व उनकी टीम के सानिध्य में शिवांश तिवाड़ी के दादा सत्यनारायण तिवाड़ी, महावीर तिवाड़ी, दादी पुष्पा, उमा, मम्मी पूर्वी, चाचा प्रवेश, चाची गीता, चाचा भवेश तिवाड़ी, चाची रजनी, जतिन, ध्रुव, यतिन, दृश्या, रितिका, तक्ष सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

प्रभातफेरी में गुंजे राधे  
राधे के जयकारे

नारनौल। श्री राधे राधे मित्र मंडल के तत्वावधान में रविवार को को प्रभात फेरी निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान संतोष देवी, महेश गुप्ता के सदस्यों ने पावन ज्योति प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाया गया। प्रभात फेरी के दौरान राधा राधा राधा रानी के जयकारों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। वहीं जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया। प्रभात फेरी मोहल्ला परसे से विभिन्न मार्गों से होती हुई मुख्य यजमान के निवास स्थान पर पहुंचकर संपन्न हुई।

महाराजा अग्रसेन जयंती  
पर होंगे कार्यक्रम

नारनौल। महाराजा अग्रसेन क्लब हुड्डा सेक्टर की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस नारनौल में क्लब के प्रधान अमित गोयल (सीताराम) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से श्री महाराजा अग्रसेन जी की जयंती महोत्सव को भव्य एवं श्रद्धापूर्वक मनाने को लेकर चर्चा की गई। इस बार 11 अक्टूबर को अग्रसेन जयंती आ रही है। विभिन्न कार्यक्रमों को सर्वसम्मति से अंतिम रूप दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर हुड्डा सेक्टर के मुख्य द्वार से संवेदना अस्पताल के मोड़ तक आकर्षक लाइटिंग की जाएगी तथा भव्य स्वागत द्वार लगाए जाएंगे। प्रातःकाल महाराजा अग्रसेन पार्क से चितवन वाटिका तक भव्य प्रभातफेरी निकाली जाएगी।

शहीद भगत सिंह जयंती पर भारतीय  
सेना के लिए रक्तदान शिविर 27 को

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में युवा इंकलाब संगठन द्वारा 27 सितंबर को भारतीय सेना के लिए एक विशेष स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन यादव सभा में प्रातः 8 बजे से दोपहर दो बजे तक किया जाएगा। शिविर की तैयारियों को लेकर संगठन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। संगठन के अनुसार शिविर में भारतीय सेना की अधिकृत रक्त-संग्रह चिकित्सा टीम उपस्थित रहकर रक्त संग्रह करेंगे। कार्यक्रम में भारतीय सेना के अधिकारी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। साथ ही क्षेत्र के पूर्व

बच्चों की रुचि को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें अभिभावक  
स्लम एरिया टैलेंट में शिशा, संस्कार व  
भविष्य निर्माण पर हुआ सार्थक संवाद

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

स्लम एरिया टैलेंट की ओर से बच्चों की शिक्षा, भविष्य एवं उचित मार्गदर्शन को लेकर रविवार को उज्ज्वल भविष्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था प्रमुख हन्नी गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे तथा भीमसेन शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के सदस्य अतर सिंह ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने बच्चों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष प्रतिभा अवश्य होती है। जरूरत केवल उस प्रतिभा को पहचानने, उसे अवसर देने और सही दिशा प्रदान करने की है। डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि बच्चों का भविष्य केवल स्कूल में नहीं बनता, बल्कि परिवार, शिक्षक और समाज के सामूहिक सहयोग से उसका निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को अपने जीवन के निर्णय लेने, कठिन परिस्थितियों का सामना करने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने योग्य बनाती है। उन्होंने



नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करते डॉ. संजय शर्मा।

फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी

वक्ताओं ने कहा कि किसी बच्चे की वास्तविक सफलता केवल उसकी शैक्षणिक उपलब्धियों से नहीं मापी जा सकती। उसके व्यक्तित्व में संस्कार, संवेदनशीलता, अनुशासन, दूसरों के प्रति सम्मान और समाज के प्रति जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। हन्नी गुप्ता ने कहा कि स्लम एरिया टैलेंट बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें मंच प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान बच्चों को उनकी आर्थिक परिस्थितियों के कारण अवसरों से

वंचित नहीं होना चाहिए। समाज के सक्षम लोगों, शिक्षकों और संस्थाओं को ऐसे बच्चों के साथ खड़ा होना चाहिए, ताकि उनकी प्रतिभा को सही मंच मिल सके। डॉ. अनुप कुमार ने कहा कि किसी बच्चे की सहायता केवल आर्थिक रूप से करना ही पर्याप्त नहीं है। उसे समय देना, उसकी बात सुनना, सही व्यक्ति से मिलवाना, करियर संबंधी मार्गदर्शन देना और उसके भीतर आत्मविश्वास पैदा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

परिस्थितियां  
सपनों से  
बड़ी नहीं  
होतीं

डॉ. शर्मा ने कहा कि आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियां किसी बच्चे के सपनों की सीमा निर्धारित नहीं कर सकती। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे अपने जीवन में बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत करें। अनुशासन, समय का सदुपयोग, नियमित अध्ययन और असफलताओं से सीखने की क्षमता सफलता की मजबूत नींव हैं। भीमसेन शर्मा ने कहा कि बच्चों को यह समझना होगा कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़ी उपलब्धियां हासिल होती हैं।

कांग्रेस ने दिलीप सिंह को सौंपी खंड  
सिहमा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडी अटेली

पूर्व चेयरमैन दिलीप सिंह को कांग्रेस खंड सिहमा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत करते हुए बधाई दी। दिलीप सिंह ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। दिलीप सिंह ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी संजय सिंह तथा हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि



मंडी अटेली। प्रदेश प्रभारी को बुक्का भेंट करते नवनियुक्त खंड सिहमा के अध्यक्ष दिलीप सिंह।

संगठन को मजबूत करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर काम किया जाएगा। पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने को लोगों कांग्रेस की विचारधारा को तथ्यों तक पहुंचाने का प्रयास रहेगा। दिलीप सिंह का कांग्रेस संगठन से पुराना जुड़ाव रहा

है। वह वर्ष 1997, 2002 और 2006 में अटेली कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा वह लंबे समय से कांग्रेस की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रहे हैं। इस मौके पर केसीसी के जिला अध्यक्ष राजन यादव व वीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

आरपीएस डिग्री कॉलेज के छात्राओं ने फिर लहराया परचम

एमएससी जुलॉजी के द्वितीय एवं  
चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा परिणाम  
में छह विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट  
प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय स्तर  
पर टॉप पोजिशन हासिल की

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

आरपीएस डिग्री कॉलेज के लिए एक बार फिर से बेहद गर्व और खुशी का पल है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में घोषित किए गए एमएससी जुलॉजी के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा परिणाम में कॉलेज के छह विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय स्तर पर टॉप पोजिशन हासिल की हैं। चेयरपर्सन

|         |         |             |        |          |              |
|---------|---------|-------------|--------|----------|--------------|
|         |         |             |        |          |              |
| करिश्मा | मुस्कान | नीतीता यादव | पारीका | प्रियंका | मुस्कान यादव |

डॉ. पवित्रा राव एवं सीईओ मनीष राव ने बधाई देते हुए कहा कि आरपीएस शिक्षण समूह हमेशा से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

हम सभी छात्राओं को बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव और निदेशक डॉ. महेश यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय

मेरिट सूची में छह स्थानों पर कब्जा जमाना कॉलेज के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है। इस सफलता ने यह साबित कर दिया है कि सभी दिशा और कठोर परिश्रम से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। मेरिट सूची के अनुसार आरपीएस डिग्री कॉलेज के एमएससी जुलॉजी द्वितीय सेमेस्टर में प्रथम स्थान करिश्मा पुत्री अजीत सिंह, चतुर्थ स्थान मुस्कान पुत्री

विजय, नौवां स्थान नवीता यादव पुत्री शुभ करण एवं दसवां स्थान पारिका पुत्री रविंद्र कुमार वहीं एमएससी जुलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर में प्रथम स्थान प्रियंका पुत्री महेंद्र सिंह एवं तृतीय स्थान मुस्कान यादव पुत्री मनोज कुमार ने। यह शानदार उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है।

गणेश महोत्सव में सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

गणेश उत्सव वेलफेयर सोसायटी एवं स्थानीय निवासियों के सहयोग से नूनी शेखपुरा मोड़ पर गणेश महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। 14 सितंबर से शुरू हुआ यह महोत्सव 25 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान धार्मिक कार्यक्रमों के साथ समाज सेवा और जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। महोत्सव के तहत स्वच्छता अभियान व पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोसायटी के सदस्यों व लोगों ने अभियान में भाग लेकर क्षेत्र की सफाई की तथा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इसी कड़ी में एसएसएम लाइफकेयर अस्पताल में रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सोमेश यादव उपस्थित रहे। गणेश उत्सव वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. अनिल सैनी ने बताया कि संस्था के पदाधिकारियों सहित कई लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा में योगदान दिया। युधिष्ठिर यादव, एडवोकेट राजेश, डॉ. दलीप, राजनेश, विपिन, कृष्ण, देवेंद्र, हितेश व दिलीप सैनी समेत अन्य पदाधिकारियों ने रक्तदान कर



नारनौल। पौधरोपण करते युवा।

फोटो : हरिभूमि

समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। आयोजकों ने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक सहायता मिल सकती है। शिविर में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर दूसरों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। वहीं महोत्सव के क्रम में 21 सितंबर को निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। इसके अलावा 25 सितंबर को भंडारे के आयोजन के साथ गणेश महोत्सव का समापन होगा।

धौलेड़ा गांव में नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प एवं हस्ताक्षर अभियान चलाया

नशे से दूर रखने के लिए युवा क्लबों को खेल से जोड़ेंगे: कर्मपाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► नारनौल

युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के उद्देश्य से माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की ओर से बाबा सेवादास युवा क्लब के तत्वावधान में धौलेड़ा गांव में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प एवं हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया। कार्यक्रम में वर्ष 2026 में यूपीएससी में चर्चनित विशेष रूप से सक्षम युवा नीतीश कुमार ने युवाओं को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मंच संचालन प्रवक्ता कृष्ण ने किया। इस अवसर



नारनौल। हस्ताक्षर अभियान में मौजूद युवा व गणमान्य लोग।

फोटो : हरिभूमि

पर नांगल चौधरी पंचायत समिति के चेयरमैन कर्मपाल यादव ने कहा कि उन्होंने आज तक किसी भी प्रकार का नशा नहीं किया है और आगे भी पूरी जिंगी नशे से दूर रहने का संकल्प लिया है। उन्होंने युवाओं से

भी नशे से दूर रहने तथा समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए युवा क्लबों को खेल गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। जिला युवा

नशामुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई

इस अवसर पर 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें युवाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशे के खिलाफ अपने हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में पार्षद नरोत्तम यादव, सरपंच देवेन्द्र प्रजापत, कृष्ण कुमार, कैप्टन अशोक कुमार, समाजसेवी राजकुमार, राजेश, स्वयंसेवक अशोक, राहुल एवं सिद्धार्थ सहित अनेक युवा व ग्रामीण उपस्थित रहे।

अधिकारी नित्यानंद यादव ने युवाओं को वीबीवाईएलडी क्विज के बारे में विस्तार से जानकार दी।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत 100 सप्ताह तक विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने युवाओं से इन गतिविधियों में बड़-

चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। युवा आइकन हरिश शर्मा ने युवाओं को नशे के दुष्परभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने तथा अपनी ऊर्जा को शिक्षा, खेल, कौशल विकास और समाज सेवा जैसे सकारात्मक कार्यों में लगाने का संदेश दिया।

# व्यापार मंडल ने किया यूपीआई पर एमडीआर का विरोध, पुलिस से भयमुक्त माहौल की मांग

■ शहरी अध्यक्ष विनोद सोनी ने अपनी नई शहरी कार्यकारिणी का गठन किया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नारनौल

हरियाणा व्यापार मंडल जिला की कार्यकारिणी की बैठक रविवार को सैनी सभा में सम्पन्न हुई। जिसमें शहरी अध्यक्ष विनोद सोनी ने अपनी नई शहरी कार्यकारिणी का गठन किया। बैठक में मुख्य अतिथि उप पुलिस अधीक्षक भारत भूषण थे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सदीप नूनीवाला ने की। इस मौके पर संरक्षक गोविन्द भारद्वाज, संरक्षक नरेन्द्र झिमरिया, संरक्षक सरदार

गुरमेल सिंह, आचार्य बजरंग शास्त्री, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम सर्राफ, जिला वरिष्ठ महासचिव सरदार सुरजीत सिंह अरोड़ा, जिला महासचिव जगमोहन गर्ग, सैनी सभा के प्रधान हरीश सैनी एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष जयसिंह सैनी, खाद्यान व्यापार मंडल के प्रधान रामजीलाल मित्तल, सतनाली व्यापार मंडल के प्रधान सतीश गोयल, सब्जी मंडी एसोसिएशन के प्रधान अजीत सैनी, मार्केट कमेटी वाइस चेयरमैन सुरेश चौधरी, जिला प्रवक्ता बद्रीप्रसाद गर्ग आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच संचालक जिला उपाध्यक्ष मुकेश



नारनौल। बैठक में मौजूद व्यापारी।

फोटो : हरिभूमि

जैन ने किया। कार्यक्रम के दौरान यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) लगाए जाने की चर्चा को लेकर भी व्यापार मंडल की ओर से विरोध जताया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि डिजिटल

भुगतान आज व्यापार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। ऐसे में यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने से छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। व्यापार मंडल ने व्यापारियों के हितों

को ध्यान में रखते हुए ऐसे किसी भी अतिरिक्त शुल्क पर पुनर्विचार की आवश्यकता जताई। बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापारियों से नियमित मासिक सहयोग राशि लेने, समय-समय पर

उपाध्यक्ष प्रदीप संधी, रमेश सैनी, श्यामलाल सैनी, नरेश मित्तल, किशनलाल बोराहा, अगिल सैनी, महेश मालोटिया, सुरेन्द्र गोयल, चिराग गर्ग, योगेश सिंघल, महेंद्र बंसल, नरेश गोमिया, तुलसी गोयल, महित, अनिल, विक्रान्त, आनंद गुप्ता, विनोद चौधरी, कृष्ण गोयल, सुमित, राजकुमारिया चौधरी,

बालकिशन सैनी, मुनीम सोनी, भगत सिंह सैनी, पवन यादव, पूरन सिंघल, मनोज, बजरंग लाल, अशोक कंठल, ब्रह्मदत्त, हीरालाल मित्तल, रमेश सिंघल, पंकज अग्रवाल, प्रदीप, संजय गोयल, नवीन, अजय गुप्ता, नीरज गर्ग, अगिल वर्मा, परविंद सैनी, धर्मेन्द्र सिंगल आदि उपस्थित थे।

## ये रहे मौजूद

## सुरक्षित व्यापारिक वातावरण जरूरी

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने पुलिस और व्यापारियों के बीच बेहतर सम्बन्ध स्थापित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मांग की कि थाने में अपनी समस्या लेकर पहुंचने वाले व्यापारियों को भयमुक्त एवं सम्मानजनक माहौल मिलाया जाए। इसके साथ ही व्यापारियों को धमकी, चिन्ती अथवा अन्य असामाजिक गतिविधियों से संबंधित शिकायतों पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई किए जाने की मांग भी रखी गई। पदाधिकारियों ने कहा कि सुरक्षित व्यापारिक वातावरण शहर की आर्थिक गतिविधियों के लिए जरूरी है। व्यापारियों और पुलिस के बीच संवाद बेहतर होने से कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों का समाधान भी अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

## जनता की भलाई के लिए स्वास्थ्य विभाग में जितना काम किया जाए उतना ही कम

# स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने किए 3 करोड़ के शिलान्यास व उद्घाटन

अटेली की जनता ने मुझे जीरो से खड़ा किया, अब विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाना है: आरती

■ कार्यक्रमों में ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ मंडी अटेली

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने रविवार को अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव कांटी और रामपुरा में धन्यवाद चर्या कर किए। दोनों गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों तथा पारंपरिक तरीके से स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत किया।

कार्यक्रमों में ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया। रेवाड़ी से अटेली क्षेत्र के वीरे पर पहुंची स्वास्थ्य मंत्री सबसे पहले सैदपुर में आयोजित शोक सभा में पहुंचीं। यहां उन्होंने सुमन यादव को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इसके बाद वह कांटी गांव पहुंचीं, जहां ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। कांटी में आयोजित



मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री का बड़ी माला पहनकर स्वागत करते हुए तथा धन्यवाद कार्यक्रम कांटी में बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाएं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उनके बारे में कई तरह की अफवाहें फैलाई गई थीं। लोगों के बीच यह बात कही जा रही थी कि वह घर पर बैठेगी, लोगों से मिलना मुश्किल होगा और उन्हें काम करना नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में अटेली क्षेत्र के लोगों ने स्वयं देखा है कि वह घर से ज्यादा लोगों के बीच रहती हैं और क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अटेली विधानसभा क्षेत्र के सभी लोगों को साथ लेकर चलना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उनका राजनीतिक सफर अभी शुरू हुआ है और

विधानसभा चुनाव में अभी करीब तीन वर्ष का समय है। लोकसभा चुनाव लड़ने संबंधी चर्चाओं पर उन्होंने कहा कि जब तक वह स्वयं अपने मुंह से कोई बात नहीं कहें, तब तक ऐसी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अटेली की जनता ने उन्हें जीरो से खड़ा किया है और अब विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ना बाकी है। उन्होंने कहा कि लंबे प्रयासों के बाद उनका राजनीतिक सफर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि वह आज अटेली की विधायक हैं और क्षेत्र की जनता ने उन्हें सेवा करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी क्षेत्र के लोग उनके पास आते हैं तो अटेली के विकास कार्यों

और उनके प्रयासों की चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जितना काम किया जाए उतना ही कम है। उनकी इच्छा है कि पूरे प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्थाएं उपलब्ध हों, ताकि आम आदमी को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने रामपुरा में भी ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अटेली क्षेत्र की जनता का लगातार सहयोग और आशीर्वाद उन्हें मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से क्षेत्र के विकास में इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील की है। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने करीब तीन करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया।



फोटो : हरिभूमि

## एक पेड़ मां के नाम के तहत किया पौध रोपण

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कांटी गांव में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। वहीं रामपुरा में आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया और रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए युवाओं से इसमें भाग लेने का आह्वान किया।

## ये रहे मौजूद

इस मौके पर नारनौल विधायक ओमकाश यादव, जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा दयाराम यादव, पीए विकास यादव, गोविंद गोस्वामी, अटेली मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार, अटेली मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन राधेश्याम, अटेली नगर पालिका के वाइस चेयरमैन रामकिशन जांगिड़, संतोश डीएस्पा, पूर्व सरपंच एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि शमशेर यादव, भाजपा नेता इंद्रजीत यादव, गौवैस कमेटी सदस्य विजय उर्फ सोनू, पूर्व चेयरमैन विकास यादव, सर्बोपर सरपंच, महामंत्री प्रमोद सेकवाल, धनश्याम, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्याकारिणी सदस्य जगजित सराया, विक्रम सरपंच, देवीसिंह सरपंच प्रतिनिधि, अटेली मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण शर्मा बौचड़िया, मनजीत मौलवाड़ा के अलावा भाजपा के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## कैंप में 35 यूनिट रक्तदान किया एकत्र

नारनौल। गांव गढ़ी में बाबा निहालचंद सेवादाल पटीकरा व ग्राम पंचायत गढ़ी के संयुक्त तत्वावधान में 24वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह जानकारी



चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। सरपंच कर्मवीर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्तदाताओं का हैसला बढ़ाया और कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। उन्होंने युवाओं से ऐसे सामाजिक व मानवीय कार्यों में लगातार बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। इस मौके पर अनिल कुमार, संदीप राव व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

## राधा अष्टमी के अवसर पर गीता पाठ व सत्संग में उमड़ी श्रद्धालु

नारनौल। शहर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की ओर से गुरुदेव गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज की सद्भरणा से राधा अष्टमी उत्सव के अवसर पर सुरेन्द्र सैनी ने राधिका सैनी के निवास स्थान बांस मोहल्ला में गीता पाठ व गीता सत्संग किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अशोक कुमार आहूजा ने की। सद्भरणा सुरेन्द्र सैनी ने गणेश वंदना कर गीता पाठ का शुभारंभ किया। इसके बाद राधिका सैनी ने ओम नमो भगवते वासुदेवाय, श्री कृष्ण कृपा अमृत पाठ सुरेन्द्र यादव, 12वां अध्याय मास्टर सुरेश कुमार, अष्टादश श्लोकी गीता पाठ वेतन जिंदल, नौ श्लोकी पाठ सुनीता, विश्व शांति सद्ब्रह्म प्रार्थना निवेदित ने किया। संस्था के प्रधान सुरेन्द्र यादव ने बताया कि गीता पाठ के बाद राधा जन्मोत्सव का कार्यक्रम का शुभारंभ राधेश यादव ने गुरु वंदना से किया। इस अवसर पर डॉ. संतोष आहूजा ने लाली की सुनकर मैं आई कीर्ति मैया दे दो बधाई, संजय गोयल ने मोर छड़ी लहराई रे रसिया औ सांवरा, प्रवीण ने अरे झरपालों कन्हैया से कह दो, डॉ. ओमप्रकाश सैनी ने मत रोक मुझे धनश्याम मोहे वृंदावन को जाना है, कपिल ने मोर पंख वाला मिल गया बांसुरी वाला मिल गया म्युजिशियन, आचार्य प्रवेश रसिक दुष्यंत ने कउरुगमयी, कृपागमयी मेरी दयामयी राधे, नोएडा से यशो यादव ने राधा रानी से मिलना बड़ा जरूरी व राधा कृपा कटाक्ष स्तोत्र पाठ करके सभी को भाव विभोर कर दिया। अंत में गीता मैया की मंगलमय आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर गोपाल नंबरदार, वेतन जिंदल, कालि निर्मल, शिवकान्त कंठल, जितेंद्र, सुभाष, मौजू, मधु, सुमन, महेश, अनिता, मोनिका, महेश सोनी, जितेंद्र, ओमप्रकाश नागर, बजरंग, विवेक, साहित मित्तल आदि मौजूद रहे।



## माविप शाखा ने 33वां स्थापना दिवस मनाया

नारनौल। भारत विकास परिषद शाखा की ओर से 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर निजी हॉस्पिटल के सहयोग से स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया। जिसमें डॉ. धीरज दुबे व डॉ. प्रवीण गुप्ता ने मुख्य वक्ता रहे। निजहोने जोड़ीं के दर्द के कारण, आधुनिक जोड़ प्रत्यारोपण तकनीक, रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याओं, उनके लक्षण और नई उपचार पद्धतियों के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव महेंद्र शर्मा ने भारत विकास परिषद में शामिल हुए गए सदस्यों सुनील जैन, मनीष जैन व पवन गर्ग को शुभेच्छाएं प्रकाशित कीं। अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया कि शाखा ने अपने 33 वर्षों के लम्बे कार्यकाल में अनेक नेत्र ऑपरेशन, स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, आनंद रसोई, शैक्षोपपन, जागरूकता कार्यक्रम, शैक्षणिक एवं निरुदित के अनेक अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज की सेवा का प्रयास किया है और ये प्रयास आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। मंच संचालन सचिव संदीप शुक्ला ने किया।

## दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर महिलाओं में उत्साह



## भाजपा ने राजेश यादव को जिला मीडिया सहप्रभारी किया नियुक्त



कार्यक्रमों तथा केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों एवं उपलब्धियों को जनकारी मीडिया और आम जनता तक पहुंचाने के लिए सक्रियता से कार्य करेंगे।

**हरिभूमि**

**आवश्यक सूचना**

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सएप करें :-

**महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड़ा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।**

**नारनौल :- सत्य लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लेब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल**

**फोन :- 8295738500, 9253681005**

## शिक्षा की अलख

## जन-जन में साक्षरता की अलख जला रही उल्लास योजना: डीईओ डॉ. विश्वेश्वर कौशिक

# 30 केंद्रों पर हुई परीक्षा, जिला कारागार में भी बनाया केंद्र

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नारनौल

समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आजीवन सीखने का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की ओर से संचालित उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत रविवार को खंड के विभिन्न स्कूलों में परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में 15 वर्ष से अधिक आयु के उन लोगों ने भाग लिया, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए थे। उल्लास कार्यक्रम भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य देश में निरक्षरता को दूर कर प्रत्येक व्यक्ति को बुनियादी शिक्षा एवं जीवनोपयोगी ज्ञान से जोड़ना है। योजना के तहत 15 वर्ष से

अधिक आयु के लोगों को पढ़ना-लिखना और संख्या ज्ञान सिखाने के साथ उन्हें नए नए व्यावसायिक कौशल से भी जोड़ा जा रहा है। इस बार परीक्षा के लिए नारनौल खंड में 30 परीक्षा केंद्र बनाए गए। विशेष रूप से जिला कारागार नसीबपुर में भी परीक्षा केंद्र स्थापित किया गया। परीक्षा के दौरान संबंधित स्कूलों के मुखिया परीक्षा अधीक्षक रहे, जबकि क्लस्टर हेड ने अपने-अपने क्लस्टर में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज व खंड के उल्लास परीक्षा कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अग्रंठ कुमार ने बताया कि यह खंड में उल्लास परीक्षा का



नारनौल। उल्लास योजना के तहत परीक्षा देते हुए।

फोटो : हरिभूमि

चौथा चरण है। इससे पहले आयोजित तीन चरणों में 3500 से अधिक प्रतिभागी परीक्षा दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 15 वर्ष से अधिक

आयु के निरक्षरों को साक्षरता से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उल्लास कार्यक्रम के माध्यम से बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान, जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा तथा सतत

## शिक्षा हर व्यक्ति का अधिकार

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने परीक्षा के सफल आयोजन पर कहा कि शिक्षा हर व्यक्ति का अधिकार है और सीखने की कोई उम्र या सीमा नहीं होती। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जिले में 1573 शिक्षार्थियों का परीक्षा में शामिल होना यह दर्शाता है कि समाज में साक्षरता के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। डॉ. विश्वेश्वर ने कहा कि इस बार जिला जेल में भी परीक्षा केंद्र बनाया गया, जहां 21 शिक्षार्थियों (बंदियों) ने परीक्षा देकर मुख्यधारा से जुड़ने की अनूठी मिसाल पेश की है। यह कदम समाज के हर वर्ग तक शिक्षा की अलख जगाने में मील का पथर साबित होगा। उन्होंने कहा कि टीम वर्क व सभी के समर्पित प्रयासों से ही यह अभियान इतनी सफलता के साथ जमीन पर उतरा है। परीक्षा केंद्रों पर जिलेभर के विभिन्न हिस्सों में बुजुर्गों और नव-साक्षरों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्वयंसेवा के माध्यम से संचालित यह कार्यक्रम सामाजिक जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध की भावना को मजबूत करता है। शिक्षार्थियों को दीक्षा पोर्टल और उल्लास मोबाइल एप के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं में

अध्ययन के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। कार्यक्रम के तहत शिक्षार्थियों और स्वयंसेवी शिक्षकों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाते हैं, जिससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और वे निरंतर सीखने की दिशा में आगे बढ़ते हैं।